कृषि मौसम सेवा

कृषि जलवायु क्षेत्र मालवा पठार (उज्जैन, इन्दौर, मन्दसौर, रतलाम, शाजापुर, राजगढ़, देवास, नीमच), झाबुआ पहाड़ (झाबुआ, अलीराजपुर, धार) तथा निमाड़ घाटी (खरगौन, बुरहानपुर, हरदा, बड़वानी, खण्डवा) के लिये जारी।

मौसम पूर्वानुमान की वैद्यताः 26 – 30 जनवरी, 2018

- **मालवा पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 25–28 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 6–12 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ रहने की संभावना है।
- **झाबुआ पहाड़ क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 25–28 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 7–10 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ रहने की संभावना है।
- **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 25–28 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 8–12 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ एवं हल्के बादल छाये रहने की संभावना है।

किसान भाईयों के लिए कृषि परामर्शः

मालवा पठार

- गेंहूँ की फसल मे दीमक से बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई. सी./2. 0 ली. प्रति एकड 20 कि. ग्रा. बालू में मिलाकर खेत में दें और सिंचाई करें।
- प्याज की रोपाई करें। रोपाई से 10–15 दिन पूर्व खेत मे 20–25 टन सडो गोबर की खाद डालें ।
- चने की फसल में फली छेदक कीट के नियंत्रण हेतु फीरोमोन प्रपंच/3.4 प्रपंच प्रति एकड़ खेतों में लगाए।
- आलू की 15.22 से. मी. उँचाई की पौध होने पर मिटटी चढाने का कार्य सम्पन्न करें।
- बकरियों में पी. पी. आर. का टीकाकरण अवश्य करवाऐं।

झाबुआ पहाड़

- गेहूँ की फसल म दीमक के नियंत्रण के लिए क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी दवा 3.5 ली/हें. की दर से छिडकाव करें।
- चने की इल्ली की रोकथाम के लिये टी आकार की 2 से 2.5 फिट ऊँचाई की 20 से 25 खूटियॉ एवं फोरोमेन ट्रैप 8 ट्रैप प्रति एकड लगाए।
- सरसो की फसल मे दूसरी सिंचाई 65–75 दिन बाद फली बनने पर करें।
- टमाटर, गोभी, पत्तागोभी, बैगन, शिमला मिर्च, अगेती आलू, हरी मटर, मूली, गाजर, प्याज आदि की समय पर सिंचाई कर अनुशंसित उर्वरक की मात्रा दें।

निमाड घाटी

- चने की फसल में फूल की अवस्था पर इल्ली नियंत्रण हेतु इण्डोक्साकार्ब 15 मिली पम्प का छिडकाव करें।
- प्याज एवं लहसुन में बगनी धब्बा एवं स्टेंम फायलम झुलसा की रोकथाम के लिए मेंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- गेंहूँ की फसल में 60 दिन की अवस्था पर 35 किलो ग्राम यूरिया प्रति एकड की मात्रा का भ्रकाव सिंचाई उपरान्त करें।
- पशुओं को किलनी एवं जूं से रक्षा हेतु मेलाथियान/क्लीनर/ब्यूटाक्स का 2 मिली/लीटर पानी में घोल कर उनके शरीर के ऊपर लगाएं।

डॉ. एम.के. त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक (भौतिकी एवं मौसम विज्ञान)
कृषि अभियांत्रिकी विभाग
कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)

डॉ. एच.एस. भदौरिया
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
रा.वि.सिं. कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)